(Sri Baglamukhi Mala Mantra)

बगलामुखी माला मंत्र

सभी प्रकार की बाधाओ से मुक्ति प्राप्ति के लिए मां बगला के माला मंत्र का पाठ व जाप किया जाता है। सभी प्रकार के दोषो के निग्रहार्थ इस माला मंत्र का पाठ रामबाण है। साधको से अनुरोध है कि किसी भी शुभ मुहुर्त में इस माला मंत्र के 108 जाप कर लें। फिर देखिऐ! कितना सुखद परिणाम आपको प्राप्त होगा।

पाठ

DR.RUPNATHJI(DR.RUPAK NATH)

ॐ नमो भगवती ॐ नमो वीर प्रताप विजय भगवति बगलामुखि मम सर्व निन्दकानां सर्व दुष्टानां वाचं मुखं पदं स्तम्भय–स्तम्भय ब्राह्मीं मुद्रय–मुद्रय, बुद्धिं विनाशय–विनाशय, अपरबुद्धिं कुरू–कुरू, आत्मविरोधिनां शत्रुणां शिरो–ललाट–मुख–नेत्र–कर्ण–नासिकोरू–पद–अणुरेशु–दन्तोष्ठ–जिह्वां–तालु – गुह्य–गुद–कटि–जानू–सर्वांगेषु–केशादिपादपर्यन्तं–पादादिकेशपर्यन्तं स्तम्भय स्तम्भय, खें खीं मारय मारय परमन्त्र परयन्त्र परतन्त्राणि छेदय–छेदय, आत्ममन्त्र–यन्त्र–तन्त्राणि रक्ष–रक्ष, ग्रहं निवारय–निवारय, व्याधिं विनाशय–विनाशय, दुःखं हर–हर, दारिद्रयं निवारय–निवारय, सर्वमन्त्र स्वरूपिणी, सर्वतन्त्रस्वरूपिणी, सर्वशिल्प प्रयोग स्वरूपिणी, सर्व तत्व स्वरूपिणी, दुष्ट ग्रह–भूतग्रह–आकाशग्रह–पाषाणग्रह–सर्वचाण्डाल ग्रह–यक्ष किन्नर किम्पुरूष ग्रह, भूत प्रेत पिशाचानां शाकिनी डाकिनी ग्रहाणां पूर्वदिशां बन्धय–बन्धय, वार्तालि मां रक्ष–रक्ष, दक्षिण दिशां बन्धय–बन्धय किरातवार्ताली मां रक्ष–रक्ष, पश्चिम दिशां बन्धय–बन्धय स्वप्न वार्तालि मां रक्ष–रक्ष, उत्तर दिशां बन्धय–बन्धय कालि मां रक्ष–रक्ष, उर्ध्व दिशं बन्धय–बन्धय उग्रकालि मां रक्ष–रक्ष, पाताल दिशं बन्धय–बन्धय बगला परमेश्वरि मां रक्ष–रक्ष, सकल रोगान् विनाशय–विनाशय, सर्वशत्रु पलायनाय पंचयोजन मध्ये, राज–जन–स्त्री–वशतां कुरू–कुरू, शत्रुन् दह–दह, पच–पच, स्तम्भय–स्तम्भय, मोहय–मोहय, आकर्षय–आकर्षय, मम शत्रून् उच्चाटय–उच्चाटय हुं फट् स्वाहा ।